RAJASTHAN CHRONICLE

RGCIRC Conducts CME in Udaipur on Advances in Cancer Care

Udaipur : RGCIRC (Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre), one of India's leading cancer care institutions, conducted a Continuing Medical Education (CME) programme in Udaipur, in association with the Udaipur Oncology Forum and the Department of Radiation Oncology, RNT Medical College. Bringing together oncologists, physicians, and medical practitioners, the event shared valuable insights on emerging approaches to cancer treatment and patient care. The expert oncologists from RGCIRC, Dr. Munish Gairola, Director - Radiation Oncology, Dr. Mudit Agarwal, Unit Head and Senior Consultant - Head & Neck Oncology Unit-2, Dr. Narendra Agrawal, Senior Consultant - Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant gave insightful sessions focusing on cancer and advancements in the treatment. Speaking at the CME, Dr. Munish Gairola, Director - Radiation Oncology at RGCIRC, discussed the role of Image-Guided Radiation Therapy (IGRT) in Image-Guided Radiotherapy (IGRT) enhances precision in cancer treatment by enabling real-time tumor localization, minimizing exposure to normal tissues. In Breast and Prostate cancers, IGRT significantly reduces cardiac, pulmonary, and genitourinary toxicities by correcting daily setup variations. Stereotactic Radiotherapy (SRT) delivers high-dose, focused radiation with sub-millimeter accuracy. Using state-of-the-art systems like CyberKnife, it effectively treats early Lung, Prostate, Liver, and Brain lesions. These advances together ensure superior tumor control with minimal treatment-related side effects. He emphasized his guiding philosophy of "High Cure Rate - Minimum Dose" to ensure maximum benefit with minimal side effects. "Radiation therapy today is far more precise and patient-friendly. Myths that radiation damages healthy organs or is a last resort must be dispelled, and patients should actively ask their doctors about radiation options early in their treatment journey," he said. Dr. Mudit Agarwal, Unit Head and Senior Consultant - Head & Neck Oncology Unit-2, RGCIRC highlighted the growing incidence of head and neck cancers, which account for nearly one-third of all cancers in India. Stressing the importance of prevention and early detection, and stop tobacco consumption, he noted the development of AI-based tools that allow lesion photo uploads for early diagnosis of robotic surgery which gives the selected patients good outcomes in terms of cancer care and early recovery with good cosmetic outcome. Robotic Surgery - TORS (Trans Oral Robotic Surgery) - the surgery can be performed in the deep areas of throat and larynx without giving incision on the face for early cancers.

दैनिक भोर

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने उदयपुर में सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर (एजेन्सी)। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिजिशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई। सीएमई के दौरान बोलते हुए डॉ. मुनीश गैरोला ने इमेज-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (आईजीआरटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आईजीआरटी कैंसर उपचार में सटीकता बढ़ाता है, क्योंकि यह वास्तविक समय में ट्यूमर की स्थिति का पता लगाता है और आसपास के सामान्य ऊतकों को कम से कम विकिरण देता है। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में आईजीआरटी तकनीक हृदय, फेफड़ों और मूत्रजनन तंत्र से जुड़ी जटिलताओं को काफी हद तक कम करती है। डॉ. मुदित अग्रवाल ने भारत में सिर और गर्दन के कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की, जो देश में कुल कैंसर मामलों का लगभग एक-तिहाई हैं।

उन्होंने रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और तंबाकू सेवन रोकने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एआई-आधारित टूल्स विकसित किए जा रहे हैं, जिनकी मदद से शुरुआती अवस्था में ही घाव की तस्वीर अपलोड कर निदान संभव होगा।

दैनिक ढोलामारू

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने उदयपुर में कैंसर उपचार में प्रगति पर सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिज़िशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई।

आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों - डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट-2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट - हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) - ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए। सीएमई के दौरान बोलते हुए डॉ. मुनीश गैरोला ने इमेज-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (आईजीआरटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आईजीआरटी कैंसर उपचार में सटीकता बढ़ाता है, क्योंकि यह वास्तविक समय में ट्यूमर की स्थिति का पता लगाता है और आसपास के सामान्य ऊतकों को कम से कम विकिरण देता है। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में आईजीआरटी तकनीक हृदय, फेफड़ों और मूत्रजनन तंत्र से जुड़ी जटिलताओं को काफी हद तक कम करती है।

स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी (एसआरटी) तकनीक उच्च-खुराक विकिरण को मिलीमीटर स्तर की सटीकता के साथ ट्यूमर पर केंद्रित करती है। उन्होंने बताया कि साइबरनाइफ जैसी अत्याधुनिक प्रणालियाँ फेफड़े, प्रोस्टेट, लीवर और ब्रेन के शुरुआती ट्यूमर के इलाज में अत्यंत प्रभावी हैं। इन उन्नत तकनीकों से बेहतर ट्यूमर नियंत्रण और कम साइड इफेक्ट्स संभव हुए हैं। उन्होंने अपनी कार्य-नीति को 'हाई क्योर रेट - मिनिमम डोज़' बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिकतम लाभ के साथ न्यूनतम दुष्प्रभाव सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा 'आज की रेडिएशन थेरेपी पहले से कहीं अधिक सटीक और मरीजों के अनुकूल है।

Since 1936
दैनिक नवज्योति

आरजीसीआईआरसी ने किया सीएमई

उदयपुर। आरजीसीआईआरसी, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिजिशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया।

सच्चा सागर

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने उदयपुर में कैंसर उपचार में प्रगति पर सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिज़िशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई। आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों - डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट-2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट - हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) - ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए।

सीएमई के दौरान बोलते हुए डॉ. मुनीश गैरोला ने इमेज-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (आईजीआरटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आईजीआरटी कैंसर उपचार में सटीकता बढ़ाता है, क्योंकि यह वास्तविक समय में ट्यूमर की स्थिति का पता लगाता है और आसपास के सामान्य ऊतकों को कम से कम विकिरण देता है। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में आईजीआरटी तकनीक हृदय, फेफड़ों और मूत्रजनन तंत्र से जुड़ी जटिलताओं को काफी हद तक कम करती है। स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी (एसआरटी) तकनीक उच्च-खुराक विकिरण को मिलीमीटर स्तर की सटीकता के साथ ट्यूमर पर केंद्रित करती है। उन्होंने बताया कि साइबरनाइफ जैसी अत्याधुनिक प्रणालियाँ फेफड़े, प्रोस्टेट, लीवर और ब्रेन के शुरुआती ट्यूमर के इलाज में अत्यंत प्रभावी हैं। इन उन्नत तकनीकों से बेहतर ट्यूमर नियंत्रण और कम साइड इफेक्ट्स संभव हुए हैं। उन्होंने अपनी कार्य-नीति को 'हाई क्योर रेट - मिनिमम डोज़' बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिकतम लाभ के साथ न्यूनतम दुष्प्रभाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा 'आज की रेडिएशन थेरेपी पहले से कहीं अधिक सटीक और मरीजों के अनुकूल है। यह धारणा गलत है कि रेडिएशन स्वस्थ अंगों को नुकसान पहुंचाता है या यह आख़िरी उपाय है। मरीजों को अपने डॉक्टरों से रेडिएशन के

विकल्पों के बारे में इलाज की शुरुआत में ही चर्चा करनी चाहिए।' डॉ. मुदित अग्रवाल ने भारत में सिर और गर्दन के कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की, जो देश में कुल कैंसर मामलों का लगभग एक-तिहाई हैं। उन्होंने रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और तंबाकू सेवन रोकने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एआई-आधारित टूल्स विकसित किए जा रहे हैं, जिनकी मदद से शुरुआती अवस्था में ही घाव (लीज़न) की तस्वीर अपलोड कर निदान संभव होगा। उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी, विशेष रूप से टीओआरएस (ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी) तकनीक, गले और वोकल बॉक्स के गहराई वाले हिस्सों में बिना चेहरे पर कोई चीरा लगाए शुरुआती कैंसर का इलाज करने में सक्षम है।

दैनिक
ताज भारती

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने उदयपुर में कैंसर उपचार में प्रगति पर सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ।

इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिजिशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई।

आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों - डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट-2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट - हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) - ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए।

सीएमई के दौरान बोलते हुए डॉ. मुनीश गैरोला ने इमेज-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (आईजीआरटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आईजीआरटी कैंसर उपचार में सटीकता बढ़ाता है, क्योंकि यह वास्तविक समय में ट्यूमर की स्थिति का पता लगाता है और आसपास के सामान्य ऊतकों को कम से कम विकिरण देता है। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में आईजीआरटी तकनीक

हृदय, फेफड़ों और मूत्रजनन तंत्र से जुड़ी जटिलताओं को काफी हद तक कम करती है।

स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी (एसआरटी) तकनीक उच्च-खुराक विकिरण को मिलीमीटर स्तर की सटीकता के साथ ट्यूमर पर केंद्रित करती है। उन्होंने बताया कि साइबरनाइफ जैसी अत्याधुनिक प्रणालियाँ फेफड़े, प्रोस्टेट, लीवर और ब्रेन के शुरुआती ट्यूमर के इलाज में अत्यंत प्रभावी हैं। इन उन्नत तकनीकों से बेहतर ट्यूमर नियंत्रण और कम साइड इफेक्ट्स संभव हुए हैं। उन्होंने अपनी कार्य-नीति को 'हाई क्योर रेट - मिनिमम डोज़' बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिकतम लाभ के साथ न्यूनतम दुष्प्रभाव सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा 'आज की रेडिएशन थेरेपी पहले से कहीं अधिक सटीक और मरीजों के अनुकूल है। यह धारणा गलत है कि रेडिएशन स्वस्थ अंगों को नुकसान पहुंचाता है या यह आखिरी उपाय है। मरीजों को अपने डॉक्टरों से रेडिएशन के विकल्पों के बारे में इलाज की शुरुआत में ही चर्चा करनी चाहिए।'

डॉ. मुदित अग्रवाल ने भारत में सिर और गर्दन के कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की, जो देश में कुल कैंसर मामलों का लगभग एक-तिहाई हैं। उन्होंने रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और तंबाकू सेवन रोकने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एआई-आधारित टूल्स विकसित किए जा रहे हैं, जिनकी मदद से शुरुआती अवस्था में ही घाव (लीज़न) की तस्वीर अपलोड कर निदान संभव होगा। उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी, विशेष रूप से टीओआरएस (ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी) तकनीक, गले और वोकल बॉक्स के गहराई वाले हिस्सों में बिना चेहरे पर कोई चीरा लगाए शुरुआती कैंसर का इलाज करने में सक्षम है।

Police Public Politics

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने उदयपुर में कैंसर उपचार में प्रगति पर सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ।

इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिज़िशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई।

आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों - डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट-2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट - हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) - ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए।

समाचार जगत

उदयपुर में कैंसर उपचार में प्रगति पर सीएमई का आयोजन, राजीव गांधी कैंसर संस्थान व अनुसंधान केंद्र का कार्यक्रम

उदयपुर, समाचार जगत ब्यूरो . राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिजिशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई। आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर – रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट – हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट–2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट – हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए। सीएमई के दौरान बोलते हुए डॉ. मुनीश गैरोला ने इमेज–गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (आईजीआरटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आईजीआरटी कैंसर उपचार में सटीकता बढ़ाता है, क्योंकि यह वास्तविक समय में ट्यूमर की स्थिति का पता लगाता है और आसपास के सामान्य ऊतकों को कम से कम विकिरण देता है। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में आईजीआरटी तकनीक हृदय, फेफड़ों और मूत्रजनन तंत्र से जुड़ी जटिलताओं को काफी हद तक कम करती है।

સંદેશ

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने उदयपुर में कैंसर उपचार में प्रगति पर सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक है, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ।

इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिज़िशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई।

आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों - डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट-2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट - हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) - ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए।

सीएमई के दौरान बोलते हुए डॉ. मुनीश गैरोला ने इमेज-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी (आईजीआरटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आईजीआरटी कैंसर उपचार में सटीकता बढ़ाता है, क्योंकि यह वास्तविक समय में ट्यूमर की स्थिति का पता लगाता है और आसपास के सामान्य ऊतकों को कम से कम विकिरण देता है। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में आईजीआरटी तकनीक हृदय, फेफड़ों और मूत्रजनन तंत्र से जुड़ी जटिलताओं को काफी हद तक कम करती है।

वीर अर्जुन

आरजीसीआईआरसी ने उदयपुर में सीएमई का आयोजन किया

वीर अर्जुन संवाददाता

उदयपुर। आरजीसीआईआरसी, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलॉजिस्ट्स, फिज़िशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई। रजीसीआईआरसी के विशेषज्ञ डॉक्टरों- डॉ. मुनीश गैरोला (डायरेक्टर - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. मुदित अग्रवाल (यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी यूनिट-2), और डॉ. नरेंद्र अग्रवाल (सीनियर कंसल्टेंट - हेमेटो ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) - ने कैंसर और उसके आधुनिक उपचार में हो रही प्रगति पर विस्तृत सत्र लिए।

हुक्मनामा समाचार

आरजीसीआईआरसी ने उदयपुर में सीएमई का आयोजन किया

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार) ।
आरजीसीआईआरसी, ने उदयपुर में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम उदयपुर ऑन्कोलॉजी फोरम और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से हुआ। इस आयोजन में ऑन्कोलाॅजिस्ट्स, फिज़िशियन्स और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया, जिसमें कैंसर उपचार और रोगी देखभाल के नए और उभरते दृष्टिकोणों पर मूल्यवान जानकारी साझा की गई।